11/11/24

कक्षा — छठी

विषय — संस्कृत

अर्थ :— पाठ — 9 सुभाषितानि

1. यह कोई नहीं जानता कि कल किसका क्या होगा। बुद्धिमान व्यक्ति कल का कार्य आज ही कर लेते हैं।

2. किसी के भी स्वभाव को उपदेशों के द्वारा नहीं बदला जा सकता। जिस प्रकार से गर्म पानी फिर से ठंडा हो जाता है।

3. साँप और दुष्ट व्यक्ति में से साँप श्रेष्ठ होता है, क्योंकि साँप तो एक बार डसता है, जबकि दुष्ट व्यक्ति हर कदम पर कष्ट पहुँचाता है।

4. विद्वान् और राजा की कभी तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि राजा तो अपने देश में पूजा जाता है और विद्वान सब जगह पूजा जाता है।

5. जिस प्रकार से एक ही पहिए के द्वारा रथ की गति नहीं होती। उसी प्रकार पुरुषार्थ के बिना भाग्य सिद्ध नहीं होता।

6. प्रिय वाक्य प्रदान करने से सभी मनुष्य संतुष्ट हो जाते हैं, तब उसी प्रकार के वचनों को बोलने में कैसी कंजूसी ?

7. वह माता शत्रु और पिता वैरी है, जो अपने बालकों को नहीं पढ़ाते। वे सभा के बीच में उसी प्रकार से शोभा नहीं पाते, जिस प्रकार से हंसों के बीच में बगुला।

[नोट — सभी बच्चे बुक में से पहले एक श्लोक लिखें, फिर एक लाइन छोड़कर उसका अर्थ, फिर लाइन छोड़कर श्लोक, फिर लाइन छोड़कर अर्थ लिखें।]